Br – कफरनहूम में यीशु का पहला प्रवास यूहन्ना २:१२ | 1

– Save This Page as a PDF–

कफरनहूम में यीशु का पहला प्रवास

यूहन्ना २:१२

काना में विवाह के बाद (देखें Bq – यीशु ने पानी
को दाखमधु में बदल दिया), यीशु लगभग अठारह मील नीचे कफरनहूम चला गया। नीचे की क्रिया उपयुक्त है क्योंकि काना ऊपर की भूमि पर था जबकि कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर, गेन्नेसरत के मैदान के किनारे पर था।

सुसमाचार के वृत्तांतों को देखते हुए, कफरनहूम काफी महत्व का शहर था। सिनॉप्टिक्स से, हम जानते हैं कि यह नासरत छोड़ने के बाद गलील में यीशु का मंत्रालय मुख्यालय था। कफरनहूम को उसका अपना नगर भी कहा जा सकता है (मत्ती ९:१)। यह शायद एक बड़ा जनसंख्या केंद्र था, उल्लेख नहीं करना उसके कई प्रेरितों का जिन्होंने वहाँ अपना घर बनाया था।

यह इस जगह के पास था कि मसीह ने मछुआरों को बुलाया था (मत्तीयाहू ४:१८; मरकुस १:१६; लूका ५:१)। मत्ती चुंगी लेनेवाले की चौकी पर बैठा, जब प्रभु ने उसे अपनी सेवा में बुलाया, (देखें Cp – मत्ती की बुलाहटलेवी)। कफरनहूम में कई चमत्कार किए गए थे, जिसमें सूबेदार के नौकर को चंगा करना भी शामिल था (मत्ती ८:८-१३; लूका ७:१-१०)। रोमन सैनिकों की एक टुकड़ी वहाँ रहती थी, और उनका निवास इतना लंबा और महत्वपूर्ण था कि सूबेदार ने स्थानीय यहूदी मण्डली के लिए एक आराधनालय प्रदान किया हो। अन्य चमत्कारों में एक अधिकारी के पुत्र (यूहन्ना ४:४६-५४), पतरस की सास (मत्ती ८:१४-१६; मरकुस १:२९-३१; लूका ४:३८-३९), और एक लकवाग्रस्त व्यक्ति को चंगा करना शामिल है। मनुष्य (मत्ती ९:२-८; मरकुस २:१-१२; लूका ५:१७-२६)। यह शायद कफरनहूम में भी था कि चमत्कार-कार्य करने वाले रब्बी ने आराधनालय के नेता याईर की बेटी को पाला था (मत्तीयाहू ९:१८-२६; मरकुस ५:२१-४३; लूका ८:४०-५६)। यहाँ उसने एक अशुद्ध आत्मा को भी निकाला (मरकुस १:२१-२९; लूका ४:३१-३६); और नम्रता सिखाने के लिए एक छोटे बच्चे का इस्तेमाल किया (मत्ती १८:१-५; मरकुस ९:३३-३७; लूका ९ : ४६-५०)।

लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनकी आंखों के सामने कितने चमत्कार किए गए, कफरनहूम के लोगों ने अंततः मसीहा और उनके संदेश को अस्वीकार कर दिया। यीशु ने अपने प्रश्न का उत्तर

Br - कफरनहूम में यीशु का पहला प्रवास यूहन्ना २ :१२ | 2

दिया जब उसने कहा : और हे कफरनहूम, क्या तू स्वर्ग पर उठा लिया जाएगा? नहीं, तुम अधोलोक में जाओगे। क्योंकि जो आश्चर्यकर्म तुझ में किए गए, यदि सदोम में किए जाते, तो वह आज तक बना रहता। परन्तु मैं तुम से कहता हूं, कि न्याय के दिन तुम्हारी दशा से सदोम की दशा अधिक सहने योग्य होगी **(मत्तीयाहू ११ :२३-२४)**। जबकि सभी अविश्वासियों का अंत आग की झील में होगा **(प्रकाशितवाक्य २० :७-१०)**, वहाँ दण्ड के स्तर होंगे। जो लोग कफरनहूममें रहते थे और वास्तव में उसके चमत्कारों को देखते थे, लेकिन फिर भी उसे अस्वीकार कर दिया, उन्हें सदोमके दुष्टों से भी बदतर सजा मिलेगी। ऐसा लगता है कि यह भविष्यवाणी सबसे शाब्दिक अर्थों में पूरी हुई है, जैसा कि इस तथ्य से प्रमाणित है कि न तो सदोमऔर न ही कफरनहूमआज पाया जा सकता है।

तौभी, वह अपनी माता, भाइयों (देखिए **Ey** - यीशु की माता और भाइयों) और तालमीदिम के साथ कफरनहूम गया, और वहाँ परिवार के पुनर्मिलन के समय का आनंद लिया। एक बार फिर, यह यूसुफ के उल्लेख के लिए एक स्वाभाविक स्थान होगा, लेकिन बाइबिल का रिकॉर्ड मौन है, शायद इसलिए कि वह उस समय तक मर चुका था। उसकी माँ का यहाँ अंतिम बार उल्लेख किया गया है जब तक कि हम उसे क्रूस के चरणों में नहीं देखते जब तक कि उसका पुत्र क्रूस पर चढ़ाया नहीं जाता **(यूहन्ना १९:२५-२७)**। उस समय शहर जाने का कोई विशेष कारण नहीं बताया गया है। वहां वे कुछ दिन रहे। ऐसा प्रतीत होता है कि यह वह समय था जिसमें येशु ने येरुशलम जाने से पहले और अपनी सार्वजनिक सेवकाई शुरू करने से पहले अपने नए प्रेरितों के साथ समय बिताया था (देखें **Bs** - यीशु द्वारा मंदिर की पहली सफाई), जैसा कि हम आगे देखते हैं)।